

कर्ण का मित्र प्रेम कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी

पाठ : ४

पाठ का नाम : कर्ण का मित्र प्रेम

PPT-7

CHANGING YOUR TOMORROW

भाषा-ज्ञान

1. निम्नलिखित रेखांकित पदों के आगे लिखिए कि के विशेषण है या विशेष्य -

उत्तर= (क) ऋणी कर्ण	विशेष्य
(ख) अनमोल रतन	विशेषण
(ग) सत्य वचन	विशेषण
(घ) छायादार वृक्ष	विशेष्य
(ङ) विशाल धरती	विशेषण

2. एक - सा अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहा जाता है ।
निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए -

उत्तर = (क) स्नेह - प्यार, प्रीति
(ख) धन - संपत्ति, संपदा
(ग) तरु - पेड़, वृक्ष
(घ) धरती - धरा, पृथ्वी

3. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

उत्तर=(क) सुरपुर (स्वर्गलोक) - राम के वन गमन के बाद राजा दशरथ सुरपुर सिधार गए ।

(ख) गुनना (सोचना - विचारना) - किसी भी कार्य को करने से पहले हमें उसके विषय में **गुनना** चाहिए ।

(ग) मुख मोड़ना (किसी की ओर ध्यान न देना) - अच्छे कार्यों से हमें मुख नहीं मोड़ना चाहिए ।

(घ) न्योछावर करना (समर्पित करना) - देश की रक्षा के लिए हमें अपने प्राण **न्योछावर कर देने** चाहिए ।

(ङ) कुठार चलाना (किसी पर आघात करना) - सज्जन लोगों पर कुठार चलाना अनैतिक होता है।

(अनुच्छेद लेखन)

सच्चा मित्र

मित्रता अनमोल धन है। इसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है। हीरे-मोती या सोने-चाँदी से भी नहीं। सच्चा मित्र सुख और दुख में समान भाव से मैत्री निभाता है। जो केवल सुख में साथ होता है, उसे सच्चा मित्र नहीं कहा जा सकता। साथ-साथ खाना-पीना, सैर, पिकनिक का आनंद लेना सच्ची मित्रता का लक्षण नहीं। सच्चा मित्र तो दीर्घ काल के अनुभव से ही बनता है। सच्ची मित्रता की बस एक पहचान है और वह है-विचारों की एकता। विचारों की एकता ही इसे दिनों-दिन प्रगाढ़ करती है। सच्चा मित्र बड़ा महत्त्वपूर्ण होता है। मित्रता करना तो आसान है, लेकिन निभाना बहुत ही मुश्किल। आज मित्रता का दुरुपयोग होने लगा है। लोग अपने सीमित स्वार्थों की पूर्ति के लिए मित्रता का ढोंग रचते हैं। मित्र जो केवल काम निकालना जानते हैं, जो केवल सुख के साथी हैं और जो वक्त पड़ने पर बहाना बनाकर किनारे हो जाते हैं। वे मित्रता को कलंकित करते हैं। मित्रता जीवन का सर्वश्रेष्ठ अनुभव है। यह एक ऐसा मोती है, जिसे गहरे सागर में डूबकर ही पाया जा सकता है। मित्रता की कीमत केवल मित्रता ही है। सच्ची मित्रता जीवन का वरदान है। यह आसानी से नहीं मिलती। एक सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य की बात होती है। सच्चा मित्र मनुष्य की सोई किस्मत को जगा सकता है और भटके को सही राह दिखा सकता है।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP